

प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, वर्ष २०

1. अधिकारी/कर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिनमें वह है अध्यक्ष गि. वि. ११९८ 2. वर्तमान धारित पद अ. व. क. व. वि. ए. क.
 3. वर्तमान वेतन 14/20 + 2800 अगली वेतनवृद्धि का तारीख 1.1.7.2013

जमीन, उप-संपत्ति, तालुक, जिला का नाम, जिसमें सम्पत्ति निर्गत हो	संपत्ति का नाम तथा ब्यौर		वर्तमान मूल्य	यदि स्वयं के नाम पर न हो तो बतलाइये कि वह किसके नाम पर धारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से क्या संबंध है	उसे किस प्रकार अर्जित किया गया ***खरोद, पट्टा, बंधक, विरासत, भेंट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम तथा ब्यौर	संपत्ति से वार्षिक आय	अभियुक्ति
	गृह तथा अन्य भवन	भूमि					
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
जिले	जिले	जिले	जिले	जिले	जिले	जिले	

यदि जमीन न हो काट दीजिए।
 सभी मामलों में जहां मूल्य का सही-सही निर्धारण करना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के संदर्भ में लगभग मूल्य बतलाया जाए।
 इसमें अल्पकालीन परते भी सम्मिलित हैं।
 अध्यादेश शासकीय सेवक (आचरण) नियम, 1959 के नियम 18(3) के अधीन प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा तृतीय श्रेणी सेवा के प्रत्येक सदस्य से यह अपेक्षा है कि वह सेवा में पहली नियुक्ति के समय और उसके बाद प्रत्येक बारह महीने की अवधि के परभाव सह प्रोबेशन-पथ पर कर प्रस्तुत करें और साथ ही वह उनके न्युक्तीपत्र की तथा उसके द्वारा अर्जित अथवा उसे विरासत में मिली या उसके अपने नाम पर या उसके परिवार के किसी सदस्य के नाम पर या किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर गृहों का पंजीयन या कालोनीय या अन्य सम्पत्ति का पंजीयन के अधीन हैं।

हस्ताक्षर [Signature]
 नाम अध्यक्ष गि. वि. ११९८
 पद अ. व. क. व. वि. ए. क.